INDIAN MUSIC

B.A. PART – III EXAMINATION 2017
(10+2+3 PATTERN)
SCHEME OF EXAMINATION
DISTRIBUTION OF MARKS

S. No.	Name of the Subject	No. of Papers	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks
I	Indian Music Vocal & Instrumental	Theory Paper – I	3 Hrs.	40	15
		Theory Paper –II	3 Hrs.	40	15
		Practical Paper – I	25 Min.	40	15
		Practical Paper – II	45 Min.	80	29

INDIAN MUSIC (Vocal and Instrumental) 2017

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper-I	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Theory Paper-II	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper – I	25 Min.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper – II	45 Min.	80	29	6 Hrs.

THEORY PAPER - I

Note : Theory paper will contain 10 questions having two questions from each unit. The candidates are required to attempt 5 questions in all, selecting one question from each unit.

UNIT – I

1. Detailed and comparetive study of following pages:(I) Jaijaiwanti (II) Pooria (III) Bahar (IV) Darbari Kanhra (V) Miyan Ki Malhar (VI) Miyan Ki todi (VII) Marwa (VIII) Basant (IX) Shuddh Kalyan
2.. To write Notation of Bandish/Gats of Prescirbed Ragas.

.

UNIT – II

1. To write Theka, Dugun, Tigun & Chougun of following tals. (i) Tlwara (ii) Sool Tal (iii) Tilvara (iv) Jhoomra (v) Deepchandi.
2. Definition and types of Taan and Ganak.

UNIT – III

1. Study of Shruti:
   (i) Shurti-Swar arrangement according to Bharat and Sarna- Chatushtai
   (ii) Shruti- Swar arrangement according to Bhatkhamde
2. Placement of Shudh and Vikrit swars on the string of veena according to Ahobal and Shrinivas.

UNIT – IV

1. Definition , Types , dhatus and Angs of Prabandh.
2. Rag and Ras

UNIT – V

1 Music and Psychology
   (i) Memory – Inagmation
   (ii) Emotion – expression
   (iii) Heridety – Environment

2 Definition & Utility of “Kaku”

THEORY PAPER –II

Unit –I

1. Developement of Music in modern era (post independence)
2. Origin of Gharanas , Their developement and their utility in present context.

Unit – II

1. Rag Classification
   (i) Gram Rag – Desi Rag
   (ii) Rag – Ragni
   (iii) Mel Rag or That Rag
   (iv) Ragang – Rag

Unit – III

1. Description of Books and their writers

(i) Kumbha – Sangeetraj

(ii) Ramamatya – Swar Mel Kalanidhi

(iii) Vyankatmukhi – Chaturdandi Prakashika

(iv) Jaidev – Geet Govind

2. Comparetive study of shudh and Vikrit Swars of Hindustan and Karnatak systems of Music .

Unit IV

1. Life sketches and contribution in the field of music of following musicians.
   (i) Kishan Maharaj
   (ii) V.D. Paluskar
   (iii) Kishori Amonkar
   (iv) Bade Gulam Ali Khan
   (v) Amjad Ali Khan
   (vi) S. N. Ratanjankar
2. Haveli Sangeet Tradition

Unit – V

1. Contribution of female artistis in the field of Music.
2. Utility of Music in Society

PRACTICAL PAPER – I

1. Study of the following Ragas :-
   (I) Jaijaiwanti (II) Pooria (III) Bahar (IV) Darbari Kanhra
   (V) Miyan Ki Malhar (VI) Miyan Ki todi (VII) Marwa (VIII) Basant
   . (IX) Shuddh Kalyan 20
2. (a) Intensive study of any one Raga as choice Raga covering Vilambit and Drut khayals / in above Ragas. 5
   (b) Laxangeets, Saragam geets in all above mentioned Ragas. 5
3. Five Alankars in the notes of That Ashavari, Todi, Poorvi, Bhairavi. Study of the following Talas. 5
   (1) Tilwara (2) Sool tal (3) Tivra (4) Jhumara 5
   (5) Deep chandi
4. Ability to sing/ play any written notation on the Black board.

PRACTICAL PAPER – II

1. Study of the following Ragas :-
   (I) Jaijaiwanti (II) Pooria (III) Bahar (IV) Darbari Kanhra (V) Miyan Ki Malhar
   (VI) Miyan Ki todi (VII) Marwa (viii) Basant (ix) Shuddh Kalyan
   (a) Four Vilambit Khayals / Maseetkhani Gats in any of the above mentioned Ragas. 30
   (b) Madhyalaya Khayals / Rajakhani Gats in any four Ragas (not covered under clause(a). 15
2. Study of one Dhrupad or Dhamar with Dwigan, Tigum, Chaugun and a few “Upaj” /Study of one Madhyalava gats in Tala other than Trital.(for instrumental music) 15 10
3. Study of one chaturang, one Tarana, one Bhajan. One Gazal, One Folk song one prayer, national anthum & song/Dhun for instrumental music. 10
4. Ability to demonstrate (orally by giving Tali and Khali on hand) following Talas. (1) Tilwara (2) Sool tal (3) Tivra (4) Jhumara (5) Deep chandi

3. Music and Therapy.
4. Distance Education of Music.

शैक्षिणक सत्र 2017

भारतीय संगीत (कंठ और वाद्य)

योजना	अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	कालांश प्रति सप्ताह
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम	3 घंटे	40	15	3 घंटे
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय	3 घंटे	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम	25 मिनिट	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय	45 मिनिट	80	29	6 घंटे

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र : 1

नोट – इस प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुये कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

इकाई 1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय एवं तुलनात्मक अध्ययन
   (1) जयजयवन्ती (2) पूरीया (3) बहार (4) दरबारी कान्हड़ा (5) मियां की मल्हार
   (6) मियॉ की तोड़ी (7) मारवा (8) बसंत (9) शुद्ध कल्याण
2. पाठ्यक्रम की बंदिशों/गतों को स्वर लिपिबद्ध करना।

.

इकाई – 2

1. निम्नलिखित तालों का ठेका, दुगुन, तिगुन एवं चौगुन सहित लिखना (1) तिलवाड़ा (2) सूलताल (3) तीव्रा (3) झुमरा (4) दीपचंदी
2. गमक एवं तान की परिभाषा और प्रकार।

इकाई – 3

1. श्रुति , स्वर का अध्ययन
   (1) भरत के अनुसार श्रुति स्वर व्यवस्था एवं सरणा चतुष्टयी का परिचय
   (2) भारतखण्डे अनुसार श्रुति स्वर व्यवस्था
   (3) पं. अहोबल एवं श्रीनिवास के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध एवं विकृत स्वरों की स्थापना।

.

इकाई – 4

1. प्रबन्ध की परिभाषा , प्रकार, धातु एवं अंग

2. राग एवं रस।

इकाई – 5

1. संगीत और मनोविज्ञान
   (1) स्मृति – कल्पना।
   (2) अनुभूति – अभिव्यक्ति
   (3) वंषानुक्रम – वातावरण
2. काकु की परिभाषा एवं उपयोगिता

द्वितीय प्रष्न पत्र

इकाई –1

1. आधुनिक काल में संगीत का विकास (स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात्)
2. धरानों का उद्‌भव, विकास एवं वर्तमान संदर्भ में उसकी उपयोगिता।

इकाई –2

1. राग – वर्गीकरण
   (1) ग्रामराग–देषीराग–वर्गीकरण (2) राग–रागिनी–वर्गीकरण
   (3) मेल अथवा थाट वर्गीकरण (4) रागांग राग वर्गीकरण
2. व्यंकटमुखी के 72 मेल एवं भातखंडे के 32 थाट का सिद्धान्त।

इकाई –3

1. ग्रंथ एवं ग्रंथकारो का परिचय।
   (1) कुंभा– संगीतराज (2) रामामात्य – स्वरमेलकलानिधि
   (3) व्यंकटमुखी– चतुर्दण्डी प्रकाषिका(4) जयदेव–गीतगोविन्द
2. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत पद्धतियों के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।

इकाई –4

1. निम्नलिखित संगीतकारों की जीवनियों एवं संगीत क्षेत्र में योगदान –
   (1) किषन महाराज (2) वी.डी पलुस्कर (3) किषोरी –अमोनकर (4) बड़े–गुलाम अली खां (5) अमजद अली खां (6) एस. एन. रातजंकर
2. हवेली–संगीत परपंरा।

इकाई –5

1. संगीत में महिला कलाकारों का योगदान।
2. समाज में संगीत का महत्व।
3. चिकित्सा और संगीत।
4. दूरस्थ षिक्षा एवं संगीत षिक्षण

प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम

1.	निम्नलिखित रागों का अध्ययन (1) जयजयवन्ती (2) पूरीया (3) बहार (4) दरबारी कान्हड़ा (5) मियां की मल्हार (6) मियॉ की तोड़ी (7) मारवा (8) बसंत (9) शुद्ध कल्याण	
2.	(अ) पाठ्यक्रम की किसी एक राग में विलंबित एवं मध्यलय/गत के साथ संपूर्ण गायकी/वादन क्षमता के साथ प्रस्तुत करने का अभ्यास। (ब) सभी रागों में लक्षणगीत, सरगम गीत	20 5
3.	निम्नलिखित तालों का अध्ययन – (1) तिलवाड़ा (2) सूलताल (3) तीव्रा (4) झूमरा (5) दीपचन्दी	5
4.	थाट आसावरी, तोड़ी, पूरीया और भैरवी में 5–5 अलंकार	5
5.	श्यामपट्ट पर लिखी हुयी कोई स्वरलिपि गाने अथवा बजाने की क्षमता	5

प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय

1.	निम्नलिखित रागों का अध्ययन (1) जयजयवन्ती (2) पूरीया (3) बहार (4) दरबारी कान्हड़ा (5) मियां की मल्हार (6) मियॉ की तोड़ी (7) मारवा (8) बसंत (9) शुद्ध कल्याण	
2.	(अ) किन्हीं चार रागों में विलंबित ख्याल/मसीत खानी गत आलाप एवं तान तोड़ों सहित (ब) किन्हीं चार रागों में मध्यलय ख्याल/रजा खानी गत आलाप एवं तान तोड़ों सहित (बिन्दु अ के अतिरिक्त)	30 15
3.	दोगुन, तिगुन, चौगुन एवं कुछ उपज की लयकारियों सहित एक ध्रुपद या एक धमार/तीन ताल के अतिरिक्त अन्य तालों में एक मध्य लयगत (वाद्य संगीत के लिए)	15
4.	एक चतुरंग, एक तराना, एक भजन, एक गजल, एक लोक गीत, एक प्रार्थना, राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रीय गीत गाने का अभ्यास/वाद्य संगीत के विद्यार्थियों के लिए धुन	10
5	निम्नलिखित तालों को हाथ पर ताली एवं खाली सहित प्रदर्शित करने का अभ्यास (1) तिलवाड़ा (2) सूलताल (3) तीव्रा (4) झूमरा (5) दीपचन्दी	10

संदर्भ ग्रन्थ

1 क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2, 3 और 4 – पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे

2 संगीतांजली भाग 1, 2, 3 4, 5, और 6 – पडित ओमकार नाथ ठाकुर

3 राग विज्ञान भाग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 – पंडित वी.एन. पटवर्धन

4 रागबोध भाग 1, 2, और 3 – डा. बी.आर. देवधर

5 तंत्रिनाद भाग 1, 2 और भारतीया संगीत वाद्य – डा. लालमणी मिश्रा

6 सितार मालिका (संगीत कार्यालय हाथरस)

7 सितार वादन – एस.जी. व्यास

8 संगीत विशारद (संगीत कार्यालय हाथरस)

9 सितार मार्ग भाग 1 और 2 – एस.पी. बेनर्जी

10 संगीत बोध – डा. शरत चन्द्र परांजपे

11 ध्वनि और संगीत – प्रो. एल.के. सिंह

12 संगीत दर्शिका भाग 1 और 2 – श्री नानीगोपाल बैनर्जी

13 Hindustan Music- An outline of its physics and aesthetics by G.H. Rande.

14 संगीत शास्त्र भाग 1 और 2 – एम.एन. सक्सैना

15 तान संग्रह भाग 1, 2 और 3 – पंडित एस.एन. रातनजनकर

16 तान मलिका – राजा भैया पूंछवाले

17 हमारे संगीत रत्न – लक्ष्मी नारायण गर्ग

18 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर – पडिंत विनय चन्द्र मौद्गल्य

19 विष्णु नारायण भातखण्डे – एस.एन. रातनजनकर

20 वागेयकार ओमकार नाथ ठाकुर – डा. प्रदीप कुमार दिक्षित

21 घराना – वमन राव एच. दशपाण्डे

22 संगीत परिभाषा – पडिंत रातनजनकर

23 रस मंजरी शतक पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग

24 राग और रूप – स्वामी प्रज्ञानन्द

25 संगीत और संस्कृति – स्वामी प्रज्ञानन्द

26 भारतीय संगीत का इतिहास – ठाकुर जयदेव सिंह

27 संगीत चिंतामणी – आचार्य ब्रहस्पति

28 Sitar and its Nibaddha forms by Stefan Slavek

29 ध्रुपद लखेक इन्दुरामा श्रीवास्तव

30 राग परिचय भाग 1, 2, 3 और 4 – हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

31 अभिनव संगीताजंली – प्रो. रामाक्षय झा 'रामरंग'

32 स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

33 संगीत मंजुषा – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

34 Music- its methods and technique of teaching in Higher Education by Prof Indrani Chakravarti

35 Sitar and its teaching by Prof Debu Chaudhury

36 Senia Gharana and its contribution to Indian Music by Dr. Saroj Ghosh

37 संगीत रत्नाकर भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल, शर्मा और डा. आर.के सिंघी

38 वृहद्देशी भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल. शर्मा

39 Musical forms in Sangita Ratnakar by Prof. N. Ramanathan

40 राग दर्शन भाग 1 और 2 – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

41 संगीत सुषमा भाग 1 से 4 पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

42 ख्याल दर्शन – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

43. संगीत मणि – भाग प्रथम – डॉ. महारानी शर्मा

44. संगीत मणि – भाग द्वितीय – डॉ. महारानी शर्मा

45 All journals / Magazines of Music